भाग–1

वर्तमान अध्ययन

1.1 परिचयः–

कुशीनगर नवसृजित जनपद कुशीनगर गोरखपुर मण्डल के अन्तर्गत आता है। सम्प्रति यह नगर कसया तहसील का मुख्यालय है। इस नवसृजित जनपद का मुख्यालय पडरौना में स्थापित किया गया है। यह अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध पयर्टन स्थल कुशीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 28 पर गोरखपुर मण्डल मुख्यालय से 55 किलोमीटर पूरब की दिशा में स्थित है। कुशीनगर भारत वर्ष का ही नहीं अपितु अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध धर्मावलम्बियों एवं पर्यटकों का पावन पर्यटन केन्द्र है, जहां पर भगवान बुद्ध ने अपना अन्तिम उपदेश दिया था और महापरिनिर्वाण को प्राप्त हुए। यहां के दर्शनीय स्थल/स्मारक यथा– महापरिनिर्वाण मन्दिर, मुख्य स्तूप माथा कुँवर मन्दिर, रामाभार स्तूप, इन्डो–जापान–श्रीलंकन मन्दिर, वाट थाई मन्दिर, बर्मीज मन्दिर, चाइनीज मन्दिर, कोरियन एवं तिब्बती मन्दिर, मेडीटेशन पार्क, म्यूजियम आदि दर्शनीय स्थल है।

1.2 नगर की भौगोलिक एवं क्षेत्रीय स्थिति

कुशीनगर 26^0 45′ उत्तरी अक्षांश तथा 83^0 55′ पूर्वी देशान्तर पर स्थित है। यह नगर नवसृजित जनपद मुख्यालय पडरौना से 18 किलोमीटर, देवरिया से 36 किलोमीटर, गोरखपुर नगर से 55 किलोमीटर, राजधानी लखनऊ से 316 किलोमीटर, वाराणसी नगर से 264 किलोमीटर एवं बिहार की राजधानी पटना से पश्चिम 216 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। इस नगर का कुल क्षेत्रफल 2100 हेक्टेयर (21.00 वर्ग किमी0) है। यह नगर तराई क्षेत्र में स्थित होने के कारण इसका भौतिक संरचना समतल एवं उपजाऊ है, जिसका ढलान दक्षिण–पूरब की ओर है।

1.3 ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

पौराणिक मान्यता के अनुसार कुशीनगर की स्थापना इक्ष्वाकु वंशीय मर्यादा पुरूषोत्तम श्री रामचन्द्र जी के कनिष्ठ पुत्र महाराज कुश ने इस नगर का कुशावती के नाम से की थी। तत्पश्चात यह नगर प्रमुख प्रशासनिक एवं राजनैतिक केन्द्र का रूप लिया। धीरे–धीरे इस क्षेत्र का महत्व बढ़ता गया। महात्मा बुद्ध के आगमन के पूर्व मल्ल वंशीय शासकों ने इस नगर को अपनी राजधानी बनाया जिसका नामकरण कुशीनारा रखा। इन्हीं मल्लवंशीय शासकों के काल में भगवान महात्मा बुद्ध का पदार्पण हुआ और यहीं पर उन्हें महापरिनिर्वाण की प्राप्ति हुई। तदोपरान्त मल्ल शासकों ने ही उनका पूरे राजकीय सम्मान के साथ अन्तिम संस्कार सम्पन्न करके उनके अवशेषों पर एक स्तूप का निर्माण करवाया। कालान्तर में सम्राट अशोक ने उक्त स्तूप के स्थान पर एक भव्य एवं आकर्षक स्तूप का पुनर्निर्माण करवाया, जो बौद्धधर्म के चार पवित्र स्थल यथा–लुम्बिनी, बौद्धगया, सारनाथ एवं

PDF created with pdfFactory trial version www.pdffactory.com

कुशीनगर में से एक है। यह नगर वाह्य आक्रमणों एवं बौद्ध धर्म के पतन के साथ गुमनामी के गर्त में विलीन हो गया ।

कुशीनगर के वर्तमान स्वरूप को आकर्षित करने का श्रेय महान पुरातत्ववेत्ता एलेक्जेण्डर कनिंघम को है, जिन्होंने कुशीनगर के इस पुरातत्व क्षेत्र को आलोकित किया। इस स्थल पर वर्ष 1860–61 में पुरातात्विक उत्खनन का कार्य प्रारम्भ करवाकर पुनः इसकी गरिमा को प्रतिष्ठित किया। तत्पश्चात भारत में कुशीनगर को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर बौद्ध पर्यटन स्थल के रूप में इसका महत्व स्थापित करने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा पुरातत्व विभाग की देख–रेख में महात्मा गौतम बुद्ध की 2500वीं जयन्ती के अवसर पर वर्ष 1956 में ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक दृष्टि से विकसित एवं संरक्षित करने का कार्य शुभारम्भ किया। वर्तमान समय में इसके महत्व को देखते हुए इसे ''मैत्रेय परियोजना'' के अन्तर्गत अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर विकसित करने का कार्य किया जा रहा है। इस पवित्र पर्यटक स्थल पर जापान, चीन, श्रीलंका एवं म्यांमार आदि देशों से प्रति वर्ष हजारों बौद्ध पर्यटकों का आगमन होता है।

1.4 कुशीनगर विशेष विकास क्षेत्र की सीमा का निर्धारण

कुशीनगर के विकास तथा विस्तार के सुनियोजित एवं नियंत्रित विकास हेतु उत्तर प्रदेश (निर्माण कार्य विनियमन) अधिनियम–1958 के अधीन उत्तर प्रदेश शासन की अधिसूचना संख्या 231/37–3–197 नि0का0वि0 71, 28 अगस्त 1978 द्वारा कुशीनगर–कसया विनियमित क्षेत्र प्रख्यापित किया गया, जिसके अन्तर्गत नगरीय सीमा एवं इसके सीमावर्ती कुल 11 ग्रामों को सम्मिलित किया गया।

तत्पश्चात् कुशीनगर के महत्व को और अधिक आकर्षक कर एक पर्यटक/तीर्थ स्थल के रूप में विकसित करने के उद्देश्य से नगर में आने वाले पर्यटकों की संख्या एवं उनकी आवश्यकता को देखते हुए उत्तर प्रदेश शासन द्वारा अधिसूचना संख्या–1678/ 9–आ–6–3–1 गठन/ 2003 दिनांक 4 जून, 2003 के माध्यम से कुशीनगर विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण का गठन किया गया। तदोपरान्त उत्तर प्रदेश शासन ने इसकी भौतिक एवं प्रशासनिक स्थित को दृष्टिगत करते हुए पुनः अधिसूचना संख्या– 1831/ 9–आ–6–03–1 गठन/ 2003 दिनांक 28 मई, 2004 द्वारा उक्त अधिसूचना में आंशिक संशोधन कर दिया गया। कुशीनगर विशेष क्षेत्र में कुशीनगर नगरपंचायत का समस्त नगरीय क्षेत्र सम्मिलित है, जिसका कुल क्षेत्रफल 2100.00 हेक्टेयर, वर्ष 2001 की जनगणना के अनुसार कुल जनसंख्या 17982 है तथा इसके अन्तर्गत सम्मिलित ग्रामीण क्षेत्र के 122 ग्राम आते हैं, जिनका कुल क्षेत्रफल 21036.23 हेक्टेयर है। वर्ष 2001 की जनगणनानुसार कुल जनसंख्या–211181 है। (कुशीनगर विशेष विकास क्षेत्र का मानचित्र संलग्न)

PDF created with pdfFactory trial version www.pdffactory.com

1.5 महायोजना के उद्देश्य

1. पर्यटकों के लिए समुचित आवश्यक सुख–सुविधाओं को उपलब्ध कराना।
2. पुरातत्व विभाग द्वारा इसकी समुचित देख–रेख करना। साथ ही पर्यटन स्थल को उचित पर्यावरण सुविधा उपलब्ध कराना।
3. विद्यमान नगरीय क्षेत्र एवं इसके समीपवर्ती क्षेत्रों में अनियंत्रित भावी विकास की दिशा को नियंत्रित करना।
4. अनुमानित भावी नगरीय जनसंख्या की आवासीय आवश्यकता की पूर्ति के लिए आवासीय क्षेत्रों का निर्धारण करना।
5. यातायात के सुगम प्रवाह के लिए एक व्यावहारिक मार्ग प्रणाली को सुनिश्चित करना।
6. नागरिकों के लिए सामुदायिक सुविधाओं की कमी को दूर कर महायोजना में आगामी प्रस्ताव के आधार पर समुचित व्यवस्था करना।
7. ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक महत्व के भवनों के संरक्षण हेतु नीति निर्धारण करना।
8. उद्योग, व्यापार एवं सार्वजनिक सुविधाओं आदि के लिए महायोजना में उपयुक्त स्थान का प्राविधान सुनिश्चित करना।
9. नगर के मुख्य मार्गो पर अतिक्रमण को रोकना।
10. नगर के संगठित भौतिक विकास के लिए विभिन्न भू–उपयोगों के मध्य परस्पर संतुलन स्थापित करते हुए सुगम्यता को सुनिश्चित करना।

1.6 जनांकिकी

वर्ष 1981 की जनगणना के अनुसार यह नगर चतुर्थ श्रेणी का नगर है, जिसकी जनसंख्या वर्ष 1981 में 9547 थी, जो 1981–91 के दशक में 45.2% की दशक वृद्धि दर से बढ़कर वर्ष 1991 में नगर की जनसंख्या 13806 हो गयी। इस नगर का कुल क्षेत्रफल 253 हेक्टेयर (2.53 वर्ग कि0मी0) है, जिसका घनत्व 23 व्यक्ति प्रति हेक्टेयर है। इसी प्रकार वर्ष 2001 की जनगणनानुसार नगर की कुल जनसंख्या 17982 तथा क्षेत्रफल 2100 हेक्टेयर (21.00 वर्ग किमी0) है।

1.7 आर्थिक आधार

नगर की विभिन्न आर्थिक क्रियायें इस नगर एवं इस क्षेत्र के भावी विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगी। वर्ष 1981 के अनुसार विभिन्न व्यावसायिक श्रेणियों के अन्तर्गत श्रमिकों की कुल संख्या 2540 अर्थात् कुल जनसंख्या का 26.6% है। वर्ष 2001 में नगर की कुल जनसंख्या 17982 है, जिसमें से अनुमान है कि कुल श्रमिकों की संख्या 5395 (30%) है। इसमें से प्राथमिक श्रेणी के अन्तर्गत आने वाले श्रमिकों की संख्या 1080 (20%), द्वितीय श्रेणी के अन्तर्गत आने वाले श्रमिकों की संख्या 539 (10%), तथा तृतीयक श्रेणी के अन्तर्गत आने वाले श्रमिकों की संख्या 3776 (70%)की सहभागिता दर अनुमानित है। चूँकि इस श्रेणी के अन्तर्गत वाणिज्य एवं व्यापार, होटल,

PDF created with pdfFactory trial version www.pdffactory.com

भोजनालय आदि तथा अन्य सेवाओं के अन्तर्गत कार्यरत श्रमिकों की प्रमुखता है। इसी कारण इस श्रेणी में श्रमिकों की भागीदारिता अधिक है, जो भविष्य में भी और अधिक होने की सम्भावना है।

1.8 आवास

नगर में दिन–प्रतिदिन आवास की जटिल समस्यायें बढ़ती जा रही है। नगर में दैनिक भोगी एवं रोजमर्रा की जिन्दगी जीने वाले व्यक्तियों के समक्ष आवास की प्रमुख समस्या बनी हुई है। नगर का अवलोकन करने से विदित होता है कि ये लोग प्रायः सार्वजनिक स्थलों, सड़क के किनारे, पार्को तथा तटबन्धों आदि स्थलों पर अपना अस्थाई निर्माण कर जीवन–यापन करते हैं। जिसके फलस्वरूप यातायात प्रणाली तथा नगर के विकास पर कुप्रभाव पड़ता है। वर्ष 1981 की जनगणनानुसार नगर में कुल 1357 परिवार पर 1297 आवास उपलब्ध थे अर्थात् प्रति परिवार एक मकान के मानक के अनुसार 60 आवास कम थे। वर्ष 2001 की वर्तमान जनसंख्या 17982 हेतु कुल 2997 आवास उपलब्ध हैं, जबकि 5 व्यक्ति की दर से एक परिवार के मानक के अनुसार कुल 3597 परिवार एवं लगभग 3000 आवास होंगे अर्थात् अभी भी नगर में लगभग 600 आवासों की कमी होगी।

1.9 वाणिज्य एवं व्यवसाय

कुशीनगर के नगरीय क्षेत्र के अन्तर्गतं भी वाणिज्य एवं व्यवसाय की कुल जनसंख्या में सहभागिता दर अधिक है। कुशीनगर एवं कसया नगर में लगभग सभी मार्गो पर विभिन्न प्रकार के वाणिज्यिक संस्थाएँ/दुकानें स्थित हैं जो यहॉ की मुख्य वाणिज्यिक क्रियायें सम्पन्न होती हैं। कसया तहसील चौराहे के इर्द–गिर्द के मार्गो पर फुटकर व्यावसायिक ईकाइयॉं जो मार्गाधिकार क्षेत्रों का अतिक्रमण करते हुए अनधिकृत एवं अकुशल तकनीकी से निर्माण कार्य विकसित हो रही हैं। जिसके फलस्वरूप इन मार्गो की चौड़ाई संकुचित होती जा रही है। इस नगर का मुख्य व्यावसायिक केन्द्र तहसील चौराहा से गोला बाजार मार्ग पर तथा कसया–देवरिया मार्ग के दोनों तरफ एक पट्टिका के रूप में विकसित हो रही है।

कुशीनगर में कसया मार्ग एवं भगवान बुद्ध मार्ग (महापरिनिर्वाण) पर अस्थाई निर्माण के रूप में विभिन्न प्रकार की दुकानें विकसित हुई हैं। प्रसिद्ध पर्यटन स्थल कुशीनगर में जो वाणिज्य एवं व्यवसाय की सुविधाएँ उपलब्ध हैं, वह विदेशी पर्यटकों की आवश्यकता को देखते हुए नगण्य हैं।

1.10 उद्योग

कुशीनगर के नगरीय क्षेत्र में उद्योगों की संख्या नगण्य है। इस नगर में कुटीर उद्योगों के अतिरिक्त कोई महत्वपूर्ण औद्योगिक इकाईयां उपलब्ध नहीं है। कसया में शीत गृह, आरा मशीन, धान मिल तथा आटा चक्की आदि से संबंधित ईकाइयां कार्यरत हैं। नगर में कुटीर उद्योगों के

PDF created with pdfFactory trial version www.pdffactory.com

अन्तर्गत परिवार का मुखिया जो अपने परिवार के सदस्यों के सहयोग से कम पूँजी निवेश कर जिसमें से स्थानीय बुनकर, बढ़ईगिरी, मिट्टी के बर्तन बॉस एवं बेंत की टोकरी तथा अन्य प्रकार के सामान बनाने वाले मूर्तिकार हैं। इनके द्वारा निर्मित वस्तुएं सार्वजनिक क्षेत्रों में शो–पीस बनकर रह जाती हैं। ये वस्तुएं मात्र विदेशी पर्यटकों के लिए लुभावनी हो सकती हैं, जिनका उत्पादन कम पूँजी में अधिक मात्रा में सरलता से किया जा सकता है।

1.11 कार्यालय

कसया तहसील होने के कारण यहॉ पर विभिन्न प्रकार के कार्यालय स्थित हैं यथा–तहसील कार्यालय, उपजिलाधिकारी कार्यालय, उपनिबंधन कार्यालय, विक्रीकर कार्यालय, विकास खण्ड कार्यालय, नगर पंचायत कार्यालय एवं पर्यटन विभाग आदि के कार्यालय स्थित हैं।

1.12. सार्वजनिक एवं अर्द्धसार्वजनिक सुविधाएँ

नगरवासियों के लिए सार्वजनिक सुविधाओं के अन्तर्गत जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य एवं मनोरंजन आदि से संबंधित सुविधाएं आती हैं, जो नगरीय जीवन के लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण होती हैं।

1.12.1 शिक्षा

कुशीनगर के नगरीय क्षेत्र में प्राथमिक पाठशाला, लघु माध्यमिक विद्यालय, इण्टरमीडिएट कालेज तथा महाविद्यालय स्थित हैं। वर्तमान समय में इस नगर में तकनीकी/प्राविधिक शिक्षा से संबंधित कोई संस्थान नहीं है।

1.12.2 चिकित्सा एवं स्वास्थ्य

कसया में एक प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र है, जिसके अन्तरंग एवं वहिरंग दोनों प्रकार के रोगियों का निदान/उपचार किया जाता है। इसके अतिरिक्त कुशीनगर में एक आयुर्वेदिक चिकित्सालय है, जिसमें वाह्य रोगियों हेतु उपचार किया जाता है। इस नगर में विशिष्ट चिकित्सालय का अभाव है। इसके अतिरिक्त कुछ निजी चिकित्सालय, नर्सिंग होम भी कार्यरत हैं।

1.12.3 मनोरंजन

नगरवासियों के स्वस्थ मनोरंजन सुविधाएं उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से किसी भी नगर में पार्क, क्रीड़ा/खुले स्थल आदि का महत्वपूर्ण योगदान होता है।

1.12.3.1 पार्क एवं क्रीड़ा स्थल

कुशीनगर में बौद्ध स्थलों से संबंधित ही पार्क एवं खुले स्थल स्थित हैं। इसके अतिरिक्त इस क्षेत्र में कोई विकसित सार्वजनिक पार्क एवं क्रीड़ा स्थल उपलब्ध नहीं हैं। मात्र एक क्रीड़ा स्थल महाविद्यालय में है। नगर में आधुनिक ढंग का एक सुसज्जित बौद्ध संग्रहालय भी है।

PDF created with pdfFactory trial version www.pdffactory.com

1.12.3.2 चलचित्र गृह

नगर में मनोरंजन के अन्तर्गत मात्र एक चलचित्र गृह है।

1.12.4 अन्य सुविधाएँ

1.12.4.1 डाक एवं तार घर

कुशीनगर नगर क्षेत्र में एक–एक सब–पोस्ट आफिस है। टेलीफोन एक्सचेन्ज की सुविधा मात्र कसया में उपलब्ध है।

1.12.4.2 पुलिस चौकी

कुशीनगर नगर क्षेत्र में एक पुलिस थाना, एक पुलिस चौकी संबंधी सेवा उपलब्ध है।

1.12.4.3 बैंक

कुशीनगर के नगरीय क्षेत्र में लगभग सभी बड़े राष्ट्रीयकृत बैंकों की शाखायें कार्यरत हैं, जिनमें से सेण्ट्रल बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया, पंजाब नेशनल बैंक, गोरखपुर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, जिला सहकारी बैंक आदि की शाखायें प्रमुख हैं।

1.13 उपयोगिताएं एवं सेवाएँ

कुशीनगर के नगरीय क्षेत्र में उपयोगिता एवं सेवाएं संबंधित सुविधाओं का घोर अभाव है।

1.13.1 जलापूर्ति

कुशीनगर में पेय जलापूर्ति आंशिक रूप में ही की जाती है। इस क्षेत्र में जलापूर्ति का मुख्य स्रोत हैण्ड पम्प एवं कुएं ही है। वर्तमान समय में जल निगम द्वारा इस नगर क्षेत्र में एक पम्पिंग स्टेशन की स्थापना की गयी है।

1.13.2 विद्युत आपूर्ति

कसया में कसया–गोरखपुर मार्ग पर एक उपविद्युत वितरण केन्द्र स्थित है, जिसकी आपूर्ति रिहन्द जलविद्युत उत्पादन केन्द्र द्वारा की जाती है। एक विद्युत वितरण उपकेन्द्र कुशीनगर में स्थापित करने की योजना विचाराधीन है।

1.13.3 जलोत्सरण

इस नगर में जलोत्सरण व्यवस्था का पूर्ण अभाव है। वर्षा का पानी एवं जल निकास की उचित व्यवस्था न होने के कारण बरसात के समय इस नगर की स्थिति अत्यन्त दयनीय हो जाती हैं, क्योंकि नगर में कार्यरत सतही नालियॉ पूर्णरूप से जलोत्सारण करने में सक्षम नहीं है। विशेषकर कसया नगर की स्थिति अत्यन्त नारकीय हो जाती है। इस नगर में भूमिगत सीवरेज प्रणाली न होने के कारण मल–जल प्रवाह की व्यवस्था नहीं है।

1.14 यातायात एवं परिवहन

यातायात एवं परिवहन के अन्तर्गत कुशीनगर–कसया नगरों के लिए मात्र राजकीय सड़क परिहवन निगम की बसों द्वारा यात्रायें की जाती हैं। यह बस स्टेशन उपजिलाधिकारी /परगनाधिकारी कार्यालय के पश्चिम में स्थित है। नगर से प्रायः देवरिया, पडरौना, तमकुही,

PDF created with pdfFactory trial version www.pdffactory.com

गोरखपुर, लखनऊ, कानपुर आदि प्रमुख नगरों के लिए प्रतिदिन नियमित बस सेवाएं उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त विभिन्न मार्गो पर प्राइवेट टैक्सी एवं बसों द्वारा यात्राएं की जाती हैं। इस नगर का निकटतम रेलवे स्टेशन पडरौना है, जो यहॉ से 20 कि0मी0 की दूरी पर स्थित है। कसया के पास रामकोला मार्ग पर एक हवाई पट्टी का निर्माण किया जा चुका है। राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या–28 नगर से होकर गुजरती है, इसके अतिरिक्त यहॉ से पडरौना तथा देवरिया के लिए भी प्रान्तीय मार्ग उपलब्ध है।

1.15 पर्यटन

कुशीनगर में महात्माबुद्ध का महापरिनिर्वाण स्थल होने के कारण देशी–विदेशी पर्यटकों एवं श्रद्धालुओं का आवागमन वर्ष पर्यन्त लगा रहता है। जबकि बैशाख माह की बुद्ध पूर्णिमा के पवित्र अवसर पर पर्यटकों के आवागमन में वृद्धि हो जाती है। पर्यटन को उद्योग का दर्जा दिए जाने के फलस्वरूप आज के युग में इसे पर्यटन की नगरी माना जा रहा है। इस नगर को पर्यटन विभाग एवं शासन द्वारा पर्यटन की दृष्टि से और अधिक सुविधाएं प्रदान करने के उद्देश्य से मैत्रेय परियोजना के अन्तर्गत विभिन्न सुविधाओं से सुसज्जित किया जा रहा है, ताकि यह पर्यटन स्थल देश के लिए अधिक विदेशी मुद्रा अर्जन का एक प्रमुख स्रोत बन सके।

1.15.1 पर्यटकों की वर्तमान संख्या

कुशीनगर विशेष कर बौद्ध धर्मावलम्बी पर्यटकों का ही प्रमुख आकर्षण केन्द्र है। अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध तीर्थ स्थली होने के कारण यहॉ मुख्यतः श्री लंका, थाईलैण्ड, बर्मा एवं जापान आदि देशों के पर्यटकों का आवागमन वर्ष पर्यन्त होता है। वर्ष 1981–82 में 5582 तथा 1982–83 में 8137 पर्यटक आये। इस प्रकार एक वर्ष के अन्तराल में लगभग 46 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जिसमें से कुल पर्यटकों में से 30 प्रतिशत विदेशी पर्यटक होते हैं, जो प्रायः जनवरी माह के मेले में आते हैं। इसके अतिरिक्त बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर देश–विदेश के बौद्ध तीर्थ यात्री यहॉ पर आतें हैं। यहॉ भारतीय पर्यटकों की संख्या विदेशी पर्यटकों की अपेक्षा अधिक रहती है, जैसा कि सारिणी संख्या–1 से स्पष्ट है।

PDF created with pdfFactory trial version www.pdffactory.com

सारिणी संख्या–1

(अ) कुशीनगर में आने वाले देशी एवं विदेशी पर्यटकों का मासिक विवरण (वर्ष 2003)

क्रमांक	माह	देशी	विदेशी	योग
1.	जनवरी	4529	1889	6418
2.	फरवरी	4141	2558	6699
3.	मार्च	3398	1741	5139
4.	अप्रैल	8521	6117	14638
5.	मई	9626	281	9907
6.	जून	4926	206	5132
7.	जुलाई	7749	537	8286
8.	अगस्त	8649	1171	9820
9.	सितम्बर	8945	1119	10064
10.	अक्टूबर	10115	1792	11907
11.	नवम्बर	12054	2721	14775
12.	दिसम्बर	14485	3080	17565
	योग	**97138**	**23212**	**120350**

स्रोत – सहायक पर्यटन अधिकारी, कुशीनगर कार्यालय की मासिक एवं वार्षिक सांख्यिकीय पर्यटक पंजिका

(ब) विगत वर्षो में कुशीनगर में आने वाले देशी एवं विदेशी पर्यटकों का वार्षिक विवरण

क्रम संख्या	वर्ष	देशी पर्यटक	विदेशी पर्यटक	योग
1.	1995	8614	10227	18841
2.	1996	15315	16442	31757
3.	1997	16315	14688	31003
4.	1998	17128	9966	27094
5.	1999	33874	14979	48853
6.	2000	24281	15277	39558
7.	2001	40771	8884	49655
8.	2002	73823	11067	84890
9.	2003	97138	23212	120350

स्रोत – सहायक पर्यटन अधिकारी,कुशीनगर कार्यालय की मासिक एवं वार्षिक सांख्यिकीय पर्यटक पंजिका

PDF created with pdfFactory trial version www.pdffactory.com

1.16 नगर क्षेत्र की मुख्य समस्याएँ

1. नगरीय सीमा के अन्तर्गत आवासीय एवं व्यवसायिक दुकानों का निर्माण नगर के मुख्य मार्गो पर होता जा रहा है। इस प्रकार के अतिक्रमण से मुख्य मार्गो के संकुचित हो जाने के कारण आये दिन अनेक प्रकार की दुर्घटनाओं की सम्भावनाएं बनी रहती हैं।
2. कुशीनगर में स्थित बुद्ध महाविद्यालय के निकट स्थित तिराहे के आस–पास विभिन्न प्रकार के अनियोजित एवं अनियंत्रित निर्माण कार्य जारी है, जिसके परिणाम स्वरूप यहॉ आये दिन यातायात सम्बन्धी समस्याएं उत्पन्न हो रही है। साथ ही नगर में स्थित अन्य चौराहों एवं पार्को की छवि भी धूमिल हो रही है।
3. पर्यटन स्थलों के आस–पास आए दिन अनधिकृत आवासीय निर्मार्ण हो रहे हैं। अगर इन अवैध निर्माणों को रोका नहीं गया तो भविष्य में इस पवित्र बौद्ध पर्यटन स्थल की महत्ता एवं गरिमा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।
4. पर्यटकों के लिए समुचित आवासीय एवं व्यावसायिक सुविधाओं का घोर अभाव है, जिसके कारण प्रायः यहॉ पर आने वाले पर्यटकों को अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।
5. नगरीय सीमा के अन्तर्गत अनियोजित रूप से हो रहे निमार्ण के कारण भी मार्गो पर अतिक्रमण की समस्या बढ़ती जा रही है।
6. नगर में जल निस्तारण की समुचित व्यवस्था का अभाव है, जिसके कारण प्रायः नगर में जल जमाव की स्थिति उत्पन्न हो जाने से यहॉ का वातावरण प्रदूषित हो रहा है।
7. कुशीनगर–कसया नगरीय क्षेत्र में पेय जलापूर्ति की पर्याप्त व्यवस्था न होने के कारण यहॉ जलापूर्ति का मुख्य स्रोत आज भी हैण्ड पम्प तथा कुएं हैं।

1.17 नगर के विकास की वर्तमान दिशाः–

कुशीनगर–कसया नगरीय क्षेत्र का विकास निम्न दिशाओं में हो रहा है–

1. कसया–तमकुही वाया सपहा मार्ग
2. कसया–रामकोला मार्ग
3. कसया–देवरिया मार्ग
4. कसया–कुशीनगर मार्ग
5. कसया–पडरौना मार्ग
6. कसया–गोरखपुर मार्ग

PDF created with pdfFactory trial version www.pdffactory.com

भाग–2

प्रस्ताव

2.1 जनसंख्या :–

वर्ष 2001 में कुशीनगर नगर पंचायत की जनसंख्या 17982 है, जिसे महायोजना काल 2021 तक विभिन्न प्रक्षेपण विधियों से प्रक्षेपित कर लगभग 35000 होने का अनुमान किया गया है। इसी प्रकार कुशीनगर नगर पंचायत क्षेत्र से संलग्न 12 ग्रामों को भविष्य में नगरीय प्रस्ताव एवं प्रभाव से प्रभावित होने की सम्भावना को दृष्टिगत रखते हुए इन 12 ग्रामों की वर्ष 2001 की वर्तमान जनसंख्या 21834 को वर्ष 2021 तक बढ़ कर लगभग 47000 होने का पूर्वानुमान (प्रक्षेपण)किया गया है। अर्थात् वर्ष 2021 तक कुशीनगर विशेष क्षेत्र महायोजना की कुल प्रक्षेपित जनसंख्या लगभग 82000 होना अनुमानित है।

इसके अतिरिक्त कुशीनगर में पर्यटन की दृष्टि से क्रियान्वित होने वाली मैत्रेय परियोजना के अन्तर्गत लगभग 5000 व्यक्तियों को रोजगार उपलब्ध कराने का लक्ष्य शासन द्वारा रखा गया है। उक्त 5000 कर्मचारियों के परिवार की कुल जनसंख्या प्रति परिवार 5 व्यक्ति के आधार पर लगभग 25000 होगी। यह जनसंख्या भी कुशीनगर नगर क्षेत्र में उपलब्ध समस्त नगरीय सुविधाओं का उपभोग करेगी और इस महायोजनां क्षेत्र में ही निवास करेगी, क्योंकि मैत्रेय परियोजना का क्षेत्र भी इस महायोजना क्षेत्र के अन्तर्गत ही सम्मिलित है। इस प्रकार कुशीनगर विशेष क्षेत्र महायोजना क्षेत्र की कुल जनसंख्या वर्ष 2021 तक 35000 + 47000 + 25000 कुल 107000 अर्थात् लगभग 110000 होने का अनुमान किया गया है। जिसका विवरण निम्न सारिणी संख्या 2 में दिया गया है।

सारिणी संख्या–2

कुशीनगर विशेष क्षेत्र महायोजना वर्ष 2021 हेतु अनुमानित (प्रक्षेपित) जनसंख्या

क्र0सं0	प्रक्षेपण विधियॉ	कुशीनगर की नगरीय जनसंख्या					महायोजना में सम्मिलित ग्रामीण जनसंख्या				
		गणना वर्ष					गणना वर्ष				
		2001	2006	2011	2016	2021	2001	2006	2011	2016	2021
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
1.	गणितीय	17982	20043	22104	24165	26226	21834	26351	30867	35384	39900
2.	ज्यामितीय	––	20679	23377	24186	30390	––	29530	37227	50349	63472
3.	इन्क्रीमेंटल	––	22898	29158	37130	47281	––	24895	28385	32365	36902
	योग	17982	63620	74639	85481	103897	21834	80776	96479	118098	140274
	औसत	––	21207	24880	28494	34632	––	26925	32160	39366	46758

अर्थात वर्ष 2021 की प्रक्षेपित जनसंख्या 35000+47000 = 82000

मैत्रेय परियोजना के अन्तर्गत कुल अनुमानित जनसंख्या = 25000 कुल योग = 107000 अर्थात 1.10 लाख

PDF created with pdfFactory trial version www.pdffactory.com

2.2 आवास :–

कुशीनगर विशेष क्षेत्र महायोजना वर्ष 2021 तक की अनुमानित कुल 110000 जनसंख्या में ऐसा अनुमान है कि प्रति परिवार 5 व्यक्ति के मानक के अनुसार वर्ष 2021 तक नगर में कुल लगभग 22000 परिवार होंगे। इन 22000 अनुमानित परिवारों हेतु महायोजना काल में आवश्यक आवासीय भूमि का आंकलन कर तदनुसार महायोजना में आवासीय भू–उपयोग का प्रस्ताव किया गया है।

2.3 आर्थिक आधारः–

कुशीनगर नगर पंचायत में मुख्य क्रियाएँ वर्तमान में वाणिज्य एवं व्यवसाय, सेवा, एवं पर्यटन है, जबकि इसका आर्थिक परिवेश मूलतः ग्रामीण कृषि कार्य ही है। भविष्य में भी इसके मूल स्वरूप में विशेष परिवर्तन नहीं होगा और नगर पंचायत क्षेत्र के आस–पास के ग्रामों, जो महायोजना क्षेत्र में सम्मिलित होंगे, का भी मूल कार्य तो कृषि तथा कृषि पर आधारित ही होता, परन्तु मैत्रेय परियोजना के क्रियान्वित हो जाने के फलस्वरूप यह मुख्य कार्य गौण हो जाएगा और वाणिज्य तथा व्यापार, पर्यटन, निर्माण,सेवा और अन्य कार्य प्रमुख हो जाएगे। इसके कारण इस अन्य सेवाओं के क्षेत्र में क्रिया–कलाप बढ़ेगे और इसमें कार्मिकों का प्रतिशत सर्वाधिक होगा, जो तृतीयक श्रेणी के अन्तर्गत माना गया है। प्रथम श्रेणी की क्रिया अर्थात् कृषि एवं कृषिगत कार्य, मजदूरी आदि में नगरीकरण के विकास के फलस्वरूप ह्रास होगा और इसमें कार्मिकों की भागीदारिता कम होगी। कुशीनगर में कोई बड़े अथवा मध्यम श्रेणी के उद्योग अभी तक स्थापित नहीं हैं तथा भविष्य में भी इस प्रकार के किसी उद्योग के स्थापित होने की कोई सम्भावना नही दृष्टिगत होती। साथ ही इस क्षेंत्र में क्रियान्वित होने वाली मैत्रेय परियोजना को औद्योगिक प्रदूषण से बचाने के उद्देश्य से भी किसी बड़े उद्योग–धन्धों की स्थापना का विचार नगण्य हो गया है। अतः इस नगर एवं निकटवर्ती क्षेत्र में कुछ छोटे आकार के तथा घरेलू उद्योगों की ही कार्यरत रहने और होने की सम्भावना है। इस कारण इस उद्योग के द्वितीयक श्रेणी में कर्मकारों का प्रतिशत न्यूनतम ही होगा।

नगर के आर्थिक स्वरूप का जब से यह ग्राम सभा थी और तभी से नगर पंचायत बनी। नगर का अध्ययन करने से स्पष्ट होता है कि यहॉ की कुल जनसंख्या में श्रमिकों का प्रतिशत लगभग 30 या इससे कम ही रहा है। जैसे कि वर्ष 1971 में 30.5% और 1981 में 26.6% श्रमिक कार्यरत थे। ऐसी सम्भावना है कि वर्ष 2001 की जनगणना में भी यह प्रतिशत इसी क्रम में अर्थात् 30% के लगभग ही होगा। अतः इस 30% श्रमिकों के कुल जनसंख्या में भागीदारिता दर को महायोजना काल 2021 तक यथावत् बनाये रखने की परिकल्पना की गयी है। इसके अनुसार वर्ष 2021 की कुल अनुमानित 110000 जनसंख्या में श्रमिकों की कुल संख्या 33000 होने का अनुमान किया गया है, जिसमें चूँकि नगर का मूल परिवेश ग्रामीण है। अतः प्राथमिक श्रेणी में श्रमिकों की

PDF created with pdfFactory trial version www.pdffactory.com

भागीदारिता दर 12%, उद्योग सम्बन्धी द्वितीयक श्रेणी में 8% एवं अन्य सेवा सम्बन्धी तृतीयक श्रेणी में 80% होना अनुमानित है, जो निम्न सारिणी में स्पष्ट हैः–

सारिणी संख्या–3

कुशीनगर विशेष क्षेत्र में वर्ष 2021 में अनुमानित श्रमशक्ति

क्र0सं0	कुल अनुमानित जनसंख्या	भागीदारिता दर प्रतिशत	कुल श्रमशक्ति						
			कुल श्रमिक	प्राथमिक श्रेणी		द्वितीयक श्रेणी		तृतीयक श्रेणी	
				संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
1.	110000	30	33000	3960	12	2640	8	26400	80

2.4 प्रस्तावित भू–उपयोगः–

कुशीनगर विशेष क्षेत्र महायोजना प्रस्तावों के अन्तर्गत वर्तमान कुशीनगर नगर पंचायत क्षेत्र के अतिरिक्त नगर से संलग्न 12 ग्रामों के क्षेत्र को भी सम्मिलित किया गया है। साथ ही मैत्रेय परियोजना हेतु अधिगृहीत होने वाला क्षेत्र भी इसमें सम्मिलित हैं, परन्तु इस परियोजना क्षेत्र को महायोजना के अन्तर्गत इसी परियोजना से सम्बन्धित क्रियाओं हेतु संरक्षित रखते हुए कोई अन्य प्रस्ताव नहीं किया गया है। समस्त नगरीय प्रस्ताव इस परिक्षेत्र के अतिरिक्त नगर पंचायत क्षेत्र के चतुर्दिक, देवरिया मार्ग, तमकुही मार्ग, रामकोला मार्ग, सपहा मार्ग के बीच स्थित क्षेत्रों में ही किये गये हैं। इस प्रकार समस्त महायोजना प्रस्ताव का कुल क्षेत्रफल 3528.98 हेक्टेयर है, जिसमें विभिन्न प्रकार के भू–उपयोग प्रस्तावित किये गये हैं, जैसा कि सारिणी संख्या–4 में दिया गया है।

PDF created with pdfFactory trial version www.pdffactory.com

सारिणी संख्या–4

कुशीनगर विशेष क्षेत्र महायोजना–2021 प्रस्तावित भू–उपयोग

क्रमांक	भू–उपयोग	क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	कुल प्रस्तावित क्षेत्र का प्रतिशत
1.	आवासीय	1025.987	29.08
2.	व्यावसायिक	162.960	4.62
3.	औद्योगिक	46.000	1.30
4.	कार्यालय	35.000	1.00
5.	सार्वजनिक/अर्द्धसार्वजनिक सुविधाएँ/ उपयोगिताएं एवं सेवाएँ/ संस्थाएँ	223.540	6.33
6.	मनोरंजन/पार्क एवं खुले स्थल/ सघन वन क्षेत्र	418.590	11.86
7.	यातायात एवं परिवहन स्थल	727.813	20.62
8.	धार्मिक, ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहर क्षेत्र	585.090	16.58
9.	मैत्रेय परियोजना क्षेत्र	304.000	8.61
	कुल योग	**3528.980**	**100.00**

इन प्रस्तावों के भू–उपयोग का विस्तृत विवरण निम्न प्रकार हैः–

2.4.1 आवासीय :–

कुशीनगर नगर पंचायत तथा कुशीनगर विशेष क्षेत्र महायोजना क्षेंत्र में वर्ष 2021 तक निवास करने वाली लगभग 110000 जनसंख्या की आवासीय आवश्यकता की पूर्ति हेतु वर्तमान निर्मित एवं आवासीय क्षेत्र को सम्मिलित करते हुए महायोजना में कुल 1025.987 हेक्टेयर क्षेत्र का प्रस्ताव आवासीय भू–उपयोग के रूप में किया गया है, जो कुल प्रस्तावित महायोजना क्षेत्र का 29.08% है।

2.4.2 व्यावसायिक :–

कुशीनगर नगर क्षेत्र इस क्षेत्र के ग्रामीण परिक्षेत्र का एक प्रमुख व्यवसायिक केन्द्र है। नगर के लगभग हर मार्गो पर फुटकर सामान्य व्यवसायिक क्रियायें संचालित होती है। भविष्य में भी इसके इस व्यवसायिक स्वरूप में और विकास की सम्भावनायें हैं। नगर के पास पर्यटन की दृष्टि से मैत्रेय परियोजना के क्रियान्वित होने के फलस्वरूप तथा नगर की भावी जनसंख्या की आवश्यकता

PDF created with pdfFactory trial version www.pdffactory.com

का ऑकलन करते हुए महायोजना में उचित स्थानों पर व्यावसायिक क्रियाओं हेतु कुल 162.960 हेक्टेयर भूमि का प्रस्ताव किया गया है, जो कुल महायोजना क्षेत्रफल का लगभग 4.62% है।

2.4.3 औद्योगिक :–

कुशीनगर नगर में कोई महत्वपूर्ण बृहद अथवा मध्यम आकार की औद्योगिक इकाई नही है तथा भविष्य में भी इस प्रकार के किसी औद्योगिक क्रिया–कलाप के विकास की कोई सम्भावना नहीं हैं। मात्र लघु कटीर एवं सेवा उद्योग ही इस नगर में विकसित हो सकते हैं। अतः इस प्रकार के औद्योगिक क्रियाओं के विकास हेतु कुल 46.000 हेक्टेयर भूमि औद्योगिक भू–उपयोग हेतु प्रस्तावित की गयी है, जो कुल प्रस्तावित महायोजना क्षेत्रफल का 1.30 % है।

2.4.4 कार्यालय :–

कुशीनगर जनपद के अन्तर्गत कसया तहसील का मुख्यालय कार्यरत है तथा नगर में तहसील स्तर के लगभग सभी कार्यालय स्थित हैं। भविष्य में भी इस स्तर के कुछ अन्य कार्यालयों तथा पर्यटन विकास से सम्बन्धित कार्यालयों, पेशेगत कार्यालयों के विकास की सम्भावनाएं परिलक्षित हो रही हैं। अतः कार्यालय भू–उपयोग के अन्तर्गत कुशीनगर विशेष क्षेत्र महायोजना में वर्तमान तहसील एवं उसके आस–पास स्थित कार्यालयों को यथावत् प्रस्तावित करते हुए कार्यालय सम्बन्धी भावी आवश्यक भूमि को उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विभिन्न स्थलों पर कुल 35.000 हेक्टेयर भूमि प्रस्तावित की गयी है, जो कुल प्रस्तावित महायोजना क्षेत्रफल का 1.00% है।

2.4.5 सार्वजनिक एवं अर्द्धसार्वजनिक सुविधाएं/उपयोगिताएँ एवं सेवाएँ/संस्थाएँ :–

नगरीय जीवन में शिक्षा, स्वास्थ्य, मनोरंजन विद्युत, जलापूर्ति आदि से सम्बन्धी सुविधाओं तथा डाक तार, पुलिस आदि की क्रियाओं की अधिक आवश्यकता होती है। इसके परिप्रेक्ष्य में नगर में स्थित समस्त शैक्षिक संस्थाओं, चैकित्सिक सुविधाओं एवं अन्य सभी सार्वजनिक/अर्द्धसार्वजनिक सुविधाओं के क्षेत्र के साथ इन सुविधाओं में भी भावी नगरीय जनसंख्या की आवश्यकता के अनुरूप विकास होने का अनुमान करते हुए पर्यटन अवस्थापना सुविधाओं हेतु 22.23 हेक्टेयर, अन्य प्रस्तावित संस्थाओं हेतु 118.56 हेक्टेयर तथा सार्वजनिक एवं अर्द्धसार्वजनिक सुविधाओं, उपयोगिताओं एवं सेवाओं के लिए 82.75 हेक्टेयर भूमि का प्रस्ताव उपयुक्त स्थलों पर किया गया है। इस प्रकार प्रस्तावित महायोजना में सार्वजनिक/अर्द्धसार्वजनिक सुविधाओं/उपयोगिताओं एवं सेवाओं/अन्य संस्थाओं के अन्तर्गत कुल 223.540 हेक्टेयर भूमि का प्रस्ताव उपयुक्त स्थलों पर किया गया है, जो प्रस्तावित महायोजना क्षेत्रफल का लगभग 6.33% है।

PDF created with pdfFactory trial version www.pdffactory.com

2.4.6 मनोरंजन/पार्क एवं खुले स्थल/सघन वन क्षेत्र :–

वर्तमान समय में कसया नगर में कोई सुनियोजित एवं व्यवस्थित सार्वजनिक पार्क नहीं है। कुशीनगर में विभिन्न मन्दिरों, मठों के क्षेत्र के अन्तर्गत ही कुछ पार्क विकसित हैं। जबकि स्वच्छ, स्वस्थ्य नगरीय जीवन हेतु पार्को का विकास आज के आधुनिक युग में काफी महत्वपूर्ण है। भविष्य में नगर की जनसंख्या में और अधिक वृद्धि होने के फलस्वरूप उस समय के नगरीय परिवेश मे इन पार्को का भी विशेष महत्व होगा। मैत्रेय परियोजना क्षेत्र को अधिक सुरम्य एवं रमणीय बनाने हेतु इसके सटे दक्षिण में लगभग 214.89 हेक्टेयर भूमि पर सघन वन क्षेत्र का प्रस्ताव किया गया है। इस प्रकार इस भू–उपयोग के अन्तर्गत उपयुक्त स्थलों पर महायोजना में 418.590 हे0 भूमि प्रस्तावित की गई है, जो कुल महायोजना क्षेत्रफल का लगभग 11.86% है।

2.4.7 यातायात एवं परिवहन :–

सामान्य एवं सुचारू रूप से नगरीय जीवन हेतु नगर में सुगम एवं अबाध यातायात प्रणाली का विकास अति आवश्यक होता है। क्योंकि सुगम यातायात प्रणाली नगरीय जीवन के धमनियों का कार्य करती है। वर्तमान में नगर में मात्र प्रमुख मार्ग यथा–गोरखपुर मार्ग, देवरिया मार्ग, पडरौना मार्ग, तमकुही मार्ग, सपहा मार्ग एवं रामकोला मार्ग ही स्थित है। नगर के आन्तरिक मार्गो का कोई समुचित विकास नहीं हुआ है। कुशीनगर विशेष क्षेत्र महायोजना में भावी नगरीय विकास/विस्तार तथा पर्यटन की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए सम्पूर्ण महायोजना क्षेत्र में सभी क्षेत्रों तथा प्रमुख भू–उपयोगों को सम्बद्ध करने के उद्देश्य से तथा प्रमुख मार्गो की महत्ता के अनुसार उनसे सम्बन्धित विभिन्न चौड़ाई वाले मार्गो का प्रस्ताव किया गया है जो क्रमशः 18, 24, 36, 45, 60, 76 एवं 100 मीटर चौड़ाई के होंगे। इसके अतिरिक्त नगर में बस सुविधा को सुनियोजित करने के उद्देश्य से बस स्टेशन, माल परिवहन के वाहनों के ठहराव हेतु ट्रक अवसान केन्द्र आदि हेतु उचित स्थलों पर प्रस्ताव किए गए हैं। इस प्रकार महायोजना में मार्ग हेतु 414.00 हेक्टेयर, बस स्टेशन हेतु 15.00 हेक्टेयर, ट्रक अड्डा हेतु 8.00 हेक्टेयर क्षेत्र प्रस्तावित है। इसके अतिरिक्त नगर के उत्तरी क्षेत्र में रामकोला मार्ग पर स्थित वर्तमान हवाई पट्टी को पर्यटकों की सुविधा के उद्देश्य से और अधिक विकसित करने का प्रस्ताव है। इस हवाई पट्टी हेतु 250.00 हेक्टेयर क्षेत्र आरक्षित है। इस प्रकार यातायात एवं परिवहन भू–उपयोग के अन्तर्गत महायोजना में कुल 727.813 हेक्टेयर भू–क्षेत्र प्रस्तावित है, जो महायोजना हेतु प्रस्तावित कुल क्षेत्रफल का लगभग 20.62 %है।

2.4.8 धार्मिक/ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहर क्षेत्र :–

कुशीनगर महात्मा गौतम बुद्ध का महापरिनिर्वाण स्थल है। इस कारण यह बौद्ध धर्मावलम्बियों का एक पवित्र तीर्थ स्थल है, जिसके फलस्वरूप यहॉ पर देश–विदेश के हजारों बौद्ध धर्मावलम्बी एवं पर्यटक प्रति वर्ष दर्शन हेतु आते रहते हैं। इन धर्मावलम्बियों/पर्यटकों की सुविधा हेतु कुशीनगर में पहले से ही कई महत्वपूर्ण मन्दिर, मठ एवं धर्मशाला, होटल, अतिथि गृह विद्यमान

PDF created with pdfFactory trial version www.pdffactory.com

हैं, फिर भी वे पर्याप्त नहीं हैं। इस कारण यहॉ का विकास एक प्रमुख पर्यटक केन्द्र के रूप मे करके इसे पर्यटक की दृष्टि से अत्यधिक आकर्षक एवं पर्यटकों हेतु सम्पूर्ण सुख–सुविधा उपलब्ध कराने हेतु सभी प्रकार की सुविधाओं का पर्याप्त विकास करने तथा प्रमुख स्थलों, मन्दिरों, मठों, खण्डहरों, स्तूप, विहार को संरक्षित करने पर अत्यधिक बल देने की महती आवश्यकता अनुभव की गयी है। इस प्रयोजनार्थ कुशीनगर महायोजना में प्रमुख स्थलों, मन्दिरों, मठों, खण्डहरों, स्तूप विहार को संरक्षित रखते हुए तथा मैत्रेय परियोजना क्षेत्र के प्राकृतिक पर्यावरण को आकर्षक बनाने के उद्देश्य से इस परियोजना क्षेत्र के सटे पूरब एवं पश्चिम दिशा में लगभग कुल 585.090 हेक्टेयर भू–क्षेत्र इस प्रयोजन हेतु प्रस्तावित किया गया है, जो महायोजना हेतु प्रस्तावित कुल क्षेत्रफल का लगभग 16.58 %है।

2.4.9 मैत्रेय परियोजना क्षेत्र :

विश्व पटल पर कुशीनगर को बौद्धधर्मावलम्बियों एवं पर्यटकों को आकर्षित करने के उद्देश्य से एवं उत्तर प्रदेश सरकार के प्रयासों से एक ''मैत्रेय परियोजना'' की परिकल्पना की गई है। इस परियोजना के अन्तर्गत कुशीनगर का विकास एक समग्र एवं आकर्षक पर्यटक/ धर्म स्थल के रूप में किया जायेगा । इसी उद्देश्य से ''मैत्रेय परियोजना'' हेतु वर्तमान बौद्ध मन्दिरों, मठों, स्मारकों के निकटस्थ क्षेत्रों को लगभग 304.00 हेक्टेयर भू–क्षेत्र को अधिग्रहीत किया जा रहा है, जिसमें ''मैत्रेय परियोजना'' की परिकल्पना के अनुसार समस्त विकास क्रियांयें क्रियान्वित की जायेगी। कुशीनगर महायोजना के अन्तर्गत इसके प्रयोजनार्थ अधिग्रहीत होने वाली समस्त भूमि अर्थात लगभग 304.000 हेक्टेयर भू–क्षेत्र को ''मैत्रेय परियोजना क्षेत्र'' के रूप में यथावत प्रस्तावित किया गया है, जो समस्त प्रस्तावित भू–उपयोग का लगभग 8.61% है।

2.4.10 अन्यः–

उपर्युक्त प्रस्तावों के अतिरिक्त महायोजना क्षेत्र में पड़ने वाले समस्त जलाशय, नदी–नाले, बाग, श्मशान/कब्रिस्तान आदि यथावत रखा गया है। (महायोजना–2021 का मानचित्र संलग्नक)

PDF created with pdfFactory trial version www.pdffactory.com

कुशीनगर विशेष क्षेत्र महायोजना–2021 के संशोधित प्रारूप में प्रस्तावित भू–उपयोगों का विचलन

क्र मां क	भू–उपयोग	वर्तमान प्रस्तावित क्षेत्रफल (हे0 में)	प्रतिशत	विचलन (हे0 में)	अवशेष क्षेत्रफल (हे0 में)	संशोधित प्रस्तावित क्षेत्रफल (हे0 में)	प्रतिशत	विचलन (हे0में)
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1.	आवासीय	800.00	26.40	–0.023	799.977	1025.987	29.08	+226.01
2.	व्यावसायिक	161.00	5.30	+1.96	162.960	162.960	4.62	–
3.	औद्योगिक	46.00	1.50	–	46.000	46.000	1.30	–
4.	कार्यालय	35.00	1.20	–	35.000	35.000	1.00	–
5.	सार्वजनिक / अर्द्धसार्वजनिक सुविधाएं / उपयोगिताएं एवं सेवाएं / संस्थाएं	268.00	8.90	–163.02	104.980	223.540	6.33	+118.56
6.	मनोरंजन / पार्क एवं खुले स्थल / सघन वन क्षेत्र	260.00	8.60	+74.61	334.610	418.590	11.86	+83.98
7.	यातायात एवं परिवहन	687.00	22.70	+0.023	687.023	727.813	20.62	+40.79
8.	धार्मिक, ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहर क्षेत्र	466.00	15.40	+86.45	552.450	585.090	16.58	+32.64
9.	मैत्रेय परियोजना क्षेत्र	304.00	10.00	–	304.000	304.000	8.61	–
कुल योग		**3027.00**	**100.00**	**–**	**3027.000**	**3528.980**	**100.00**	**501.98**

PDF created with pdfFactory trial version www.pdffactory.com